17.0 विद्यार्थियों की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन

- **डॉ मंजुल त्रिवेदी,**असिस्टेंट प्रोफेसर ,शिक्षाशास्त्र विभाग, बी एस एन वी पी जी कालेज, लखनऊ
  ई.मेल-manjultrivedi.lko@gmail.com

शोध-सार

प्रस्तुत शोध पत्र में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति एवं उनके शैक्षिक समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययन किया गया है। अध्ययन हेतु गुच्छ प्रतिदर्श विधि से 329 विद्यार्थियों का चयन लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अनुदानित महाविद्यालय से किया गया है। अध्ययन में उपकरण के रूप में कंप्रिहेंसिव मॉर्डनाइजेशन इन्वेंटरी का प्रयोग आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति को मापने के लिए तथा शैक्षिक समायोजन के मापन हेतु स्वनिर्मित शोध उपकरण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के मध्य संबंध है।

मुख्य बिंदु*- आधुनिकता, शैक्षिक समायोजन।*

प्रस्तावना

आधुनिक समाज प्रगतिशील है मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में परंपरागत प्रवृत्तियों के साथ ही नवीन उदीयमान प्रवृत्तियों ने अपना स्थान बना लिया है। आज समाज के प्रत्येक क्षेत्र में नवीन परिवर्तन हुए हैं जिनके सापेक्ष मानव ने अपना दृष्टिकोण भी बदला है। इन परिवर्तनों में मुख्य रूप से तकनीकी परिवर्तन अनेक परिवर्तनों का कारक बना है । पारंपरिक समाज से पृथक आज समाज में महिला सशक्तिकरण जैसे विमर्श प्रमुखता के साथ स्थापित हुए हैं । इन परिवर्तनों के सापेक्ष उपजी आधुनिकता के प्रति समाज के विभिन्न सदस्यों के भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण रहे हैं शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति का अनेक चरों के साथ संबंध देखा गया है।

उच्च शिक्षा के स्तर पर विद्यार्थियों का समायोजन उनके शैक्षिक जीवन से संबंधित विभिन्न कारकों के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है । अनेक अध्ययन यह बताते हैं कि जो विद्यार्थी अधिक समायोजित है वह अपनी शैक्षिक गतिविधियों में भी उत्कृष्ट है। उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने के उपरांत विद्यार्थी को अपनी नवीन परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जिसे तादात्मीकरण करके विद्यार्थी अपनी जटिलताओं को कम करता है।प्रस्तुत अध्ययन में विद्यार्थियों की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति एवं उनके शैक्षिक समायोजन के मध्य संबंध का अध्ययन किया गया है।

शैक्षिक समायोजन

सामान्यतः किसी विद्यार्थी अथवा व्यक्ति का अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति प्रक्रिया के लिए परिस्थितियों के अनुकूल बन जाना अथवा परिस्थितियों को अनुकूल बना लेना ही समायोजन कहलाता है । प्रत्येक व्यक्ति की कुछ न कुछ समस्याएं होती हैं । किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि वह कितनी समस्याओं का सामना करता है बल्कि इस तथ्य पर निर्भर करती है कि वह इन समस्याओं एवं उपस्थित नवीन परिस्थितियों के प्रति किस प्रकार से अनुक्रिया करता है या इनमें वह किस प्रकार से समायोजन करता है । समायोजन, मनोविज्ञान का महत्त्वपूर्ण प्रत्यय और चर ही नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य की यह एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया या अवस्था है ।

बोरिंग एवं अन्य (1948) के अनुसार, ''समायोजन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा प्राणी अपनी आवश्यकताओं और इन आवश्यकताओं को प्रभावित करने वाली परिस्थितियों में सन्तुलन रखता है ।''

शैक्षिक समायोजन का तात्पर्य शैक्षणिक उपलब्धियों के अर्जन में उपस्थित अवरोधों को दूर करने तथा शैक्षिक परिस्थिति से सम्बन्धित समायोजन से है। इसके अन्तर्गत मुख्य रूप से पठन-पाठन, विद्यालय, शिक्षक, विषय, पाठ्यक्रम, पाठ्येत्तर क्रियाएं, सहपाठियों एवं विद्यालयीय अनुशासन से सम्बन्धित समायोजन विद्यार्थियों को करना पड़ता है।

आधुनिकीकरण से तात्पर्य किसी पुराने चलन को नए के अनुसार बदलना है या आधुनिक समय की माँगों के अनुसार किसी पुरानी वस्तु विचार तथा परम्परा को परिवर्तित करने से है।

समाजशास्त्र में आधुनिकीकरण शब्द का प्रयोग व्यक्ति के जीवन में होने वाले उन व्यावहारिक व धारणा सम्बन्धी तत्त्वों के लिए किया जाता है जो परंपरागत से भिन्न हैं आधुनिकीकरण की प्रक्रिया प्रत्येक समाज में होने वाले सामाजिक परिवर्तनों की सहचर होती है। मानव जीवन में आधुनिकता का उद्भव उसके अस्तित्व के विकास के साथ जुड़ा हुआ है जब से मानव ने आदिम युग से कुछ नया करना सीखा तब से नित उसके जीवन के क्रियाकलाप नवीन होते गये तथा उसके व्यवहार में भी आधुनिकता आती गयी।

कानेल के शब्दों में आधुनिकीकरण की प्रक्रिया को मस्तिष्क के खोजयुक्त और अविष्कारक दृष्टि (वैयक्तिक और सामाजिक) जो कि तकनीकी और मशीनों के उपयोग के पीछे निहित है और सामाजिक संबंधों को नवीन रूपों में प्रेरित करता है के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

आधुनिकता की विमाओं शिक्षा, राजनीति एवं महिलाओं की प्रस्थिति के संदर्भ में शिक्षिकाएं शिक्षकों की तुलना में अधिक सकारात्मक है, जबकि अभिभावक छात्र सम्बन्ध तथा सामाजिक - सांस्कृतिक विमाओं पर दोनों समूह पृथक नहीं है- देवनाथ एवं अन्य (2020)। जम्मू स्थित कालेज वाले विद्यार्थियों में आधुनिकता के प्रति उच्च अभिवृत्ति होती है- कॉल होत्र (2016)। समाज से ताल्लुक रखने वाले एवं नैतिक मूल्यों पर छात्र एवं छात्राओं की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति लगभग समान होती है- सिंह एवं अन्य (2012)। शहरी विद्यार्थी ग्रामीण विद्यार्थियों के अपेक्षाकृत अधिक आधुनिक होती है- मेनन एवं अन्य (2012)। प्राथमिक शिक्षकों की आधुनिकता एवं समायोजन के चर में सकारात्मक सम्बन्ध होता है- कौर (2014)। समग्र आधुनिकता अभिवृत्ति के सम्बन्ध में भिन्न प्रकार के परिवार समूहों की किशोर बालिकाओं में सार्थक अन्तर नहीं होता है- श्रीवास्तव (2011)। आधुनिकीकरण, प्रौद्योगिकी के सम्बन्ध में आधुनिकीकरण तथा सामाजिक व धार्मिक विचारों के सन्दर्भ में आधुनिकीकरण के प्रति स्नातक स्तर के ईसाई व मुस्लिम छात्राओं की निजी अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं होता है- गुप्ता (2010)। शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है- सिंह (2007)। ईसाई छात्रों का आधुनिकता की चार विमाओं में मुस्लिम एवं हिन्दू विद्यार्थियों की अपेक्षा सार्थक रूप से उच्च स्तर होती है- अशरफ (1989)। शहरी एवं ग्रामीण परिवेश वाले विद्यार्थियों की आधुनिकता में अन्तर नहीं होता है- सिंह (1988)।

शोध समस्या

विद्यार्थियों की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति एवं शैक्षिक समायोजन के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन

तकनीकी पदों की संक्रियात्मक परिभाषाएं

शैक्षिक समायोजन

सामान्यतः किसी विद्यार्थी अथवा व्यक्ति का अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्ति प्रक्रिया के लिए परिस्थितियों के अनुकूल बन जाना अथवा परिस्थितियों को अनुकूल बना लेना ही समायोजन कहलाता है। प्रत्येक व्यक्ति की कुछ न कुछ समस्याएं होती हैं। किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि वह कितनी समस्याओं का सामना करता है बल्कि इस तथ्य पर निर्भर करती है कि वह इन समस्याओं एवं उपस्थित नवीन परिस्थितियों के प्रति किस प्रकार से अनुक्रिया करता है या इनमें वह किस प्रकार से समायोजन करता है। समायोजन, मनोविज्ञान का महत्त्वपूर्ण प्रत्यय और चर ही नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य की यह एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया या अवस्था है।

आधुनिकता

आधुनिकीकरण से तात्पर्य किसी पुराने चलन को नए के अनुसार बदलना है या आधुनिक समय की माँगों के अनुसार किसी पुरानी वस्तु विचार तथा परम्परा को परिवर्तित करने से है।

आधुनिकीकरण ऐतिहासिक दृष्टि से एक प्रक्रिया है - एक परिवर्तन की प्रक्रिया जो 17वीं सदी से 19वीं सदी के मध्य पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था में आविर्भूत हुई और पुनः पूर्वी यूरोपीय देशों तक प्रसारित हुई। कालान्तर में विशेषकर 19वीं और 20वीं सदी में अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिकी देशों में विकसित हुई। वस्तुतः आधुनिकीकरण अमेरिका और पश्चिमी यूरोप में विकसित सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक व्यवस्थाओं के अनुरूप रूपान्तरण की प्रक्रिया है।

दूबे (1962) ने आधुनिकीकरण को परिभाषित करते हुए व्यक्त किया है कि आधुनिकीकरण वस्तुतः एक प्रक्रिया है, परम्परागत अथवा अर्ध-परम्परागत व्यवस्था से उठकर कुछ प्रत्याशित (आकांक्षित) स्तर की प्रौद्योगिकी और उससे जुड़े समाज संरचना के स्वरूप, मूल्य-उन्मेषों, उत्प्रेरणाओं और आदर्शों की तरफ रूपान्तरण की प्रक्रिया है।

शोध के उद्देश्य-

1. स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन की तुलना करना।

परिकल्पनाएं

1. स्नास्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में अन्तर है।

शोध अध्ययन का परिसीमांकन

इस अध्ययन को कालावधि एवं सुविधा की दृष्टि से निम्नांकित बिन्दुओं तक सीमित किया गया है-

1. शोध अध्ययन में न्यादर्श के रूप में केवल लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध अनुदानित महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को ही लिया गया है।
2. अध्ययन में केवल स्नातक स्तर के द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों को ही लिया गया है।
3. अध्ययन में शोध हेतु कला वर्ग के विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है।

अध्ययन विधि-

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा ''कार्य-कारण तुलनात्मक सह-सम्बन्ध सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श विधि

प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श के चयन हेतु गुच्छ प्रतिदर्श विधि का प्रयोग करते हुए 329 विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

उपकरण

कम्प्रेहेंसिव माडर्नाइजेशन इन्वेन्ट्री

कम्प्रेहेंसिव माडर्नाइजेशन इन्वेन्ट्री का निर्माण एस0 पी0 आहलूवालिया तथा ए0के0 कालिया द्वारा किया गया है जो कि आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति का मापन करती है। इस कम्प्रेहेंसिव माडर्नाइजेशन इन्वेन्ट्री में कुल 49 पद है।

कम्प्रेहेंसिव माडर्नाइजेशन इन्वेन्ट्री

शैक्षिक समायोजन हेतु स्वनिर्मित उपकरण का उपयोग किया गया है

सार्थकता स्तर

दो प्रतिदर्शों के मध्यमानों के अंतर को निर्धारित करने के लिए कसौटी के रूप में अपनाये गए मूल्य को सार्थकता स्तर कहते हैं। शोध में प्रायः दो सार्थकता स्तरों - 0.01 और 0.05 का प्रयोग किया जाता है। प्रस्तुत शोध में 0.05 सार्थकता स्तर का प्रयोग किया गया है।

परिणाम एवं निष्कर्ष-

स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

शून्य परिकल्पना- स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में अन्तर नहीं है।

शून्य परिकल्पना के परीक्षण हेतु एनोवा का प्रयोग किया गया। गणना के परिणाम सारणी संख्या 1 में प्रदर्शित है-

सारणी संख्या-1

उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले अनुदानित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों का शैक्षिक समायोजन

समूह	df	SS	MS	F-अनुपात
समूह के मध्य	2	7975.125	3987.562	4.68*
समूह के अन्दर	326	277464.8	851.1191	

*0.05 स्तर पर सार्थक

सारणी संख्या 1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में अन्तर हेतु एफ अनुपात का प्राप्त मान 4.68 जो कि (2,326) पर 0.05 सार्थकता स्तर के सार्थकता मान 3.02 से अधिक है, अतः शून्य परिकल्पना (स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले अनुदानित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में अन्तर नहीं है) अस्वीकार की जाती है और यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले अनुदानित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में सार्थक अन्तर है। यह ज्ञात करने के लिए कि कौन-कौन से मध्यमान परस्पर सार्थक रूप से भिन्न है, प्रसरण विश्लेषणोपरान्त टी-परीक्षण निकाला गया-

सारणीसंख्या-2

प्रसरण विश्लेषणोपरान्त टी-परीक्षण

समूह	N	M	M_1~M_2	σ_D	t-परीक्षण
उच्च	37	235.86	14.33	4.67	3.06*
मध्य	137	221.54			
उच्च	37	235.86	6.33	4.50	1.40
निम्न	135	229.53			
मध्य	137	221.54	7.99	2.35	3.40*
निम्न	135	229.53			

*0.05 स्तर पर सार्थक

उपरोक्त प्रसरण विश्लेषणोपरान्त टी-परीक्षण से स्पष्ट है कि उच्च और मध्य, मध्य और निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के मध्यमानों में 0.05 स्तर पर अन्तर सार्थक है। उच्च और निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले अनुदानित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के मध्यमानों में 0.05 स्तर पर अन्तर सार्थक नहीं है। सारिणी से स्पष्ट है कि उच्च आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का मध्यमान, मध्य आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों से 4.67 अधिक है, उच्च आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का मध्यमान, निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों से 4.50 अधिक है, मध्य आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का मध्यमान, निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों से 2.35 अधिक है। अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से तीनों समूहों के मध्यमानों की तुलना निम्नवत की गयी है-

उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन का मध्यमान

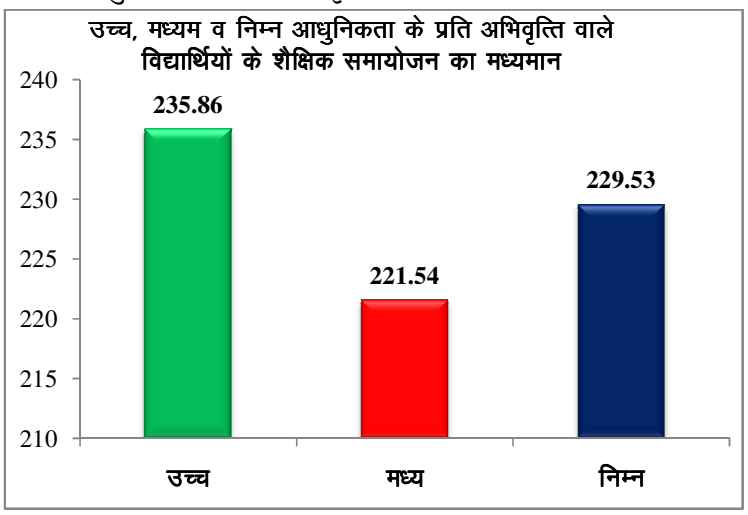

निष्कर्ष

स्नातक स्तर के उच्च, मध्यम व निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले अनुदानित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में सार्थक अन्तर है। यह अंतर विभिन्न समूहों जैसे उच्च और मध्य, मध्य और निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले अनुदानित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के मध्यमानों में 0.05 स्तर पर सार्थक है जबकि उच्च और निम्न आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति वाले अनुदानित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के मध्यमानों में 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है।

संदर्भ-

अहमद, इ. एवं जहां, इ. (2016). मॉर्डनाइजेशन एंड सोशल अवेयरनेस अमंग मेल एंड फीमेल कॉलेज स्टूडेंट इन डिस्ट्रिक्ट सोफिया जम्मू कश्मीर. फुनून इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च, 2 (1) ।

अंगिरा, के. (1992). एजुकेशन, सेक्स एन्ड मॉडर्नाइजेशन अ स्टडी इन एटीट्यूडनल मॉडर्निटी. इंडियन साइकोलॉजिकल रिव्यू, 38 (8-9), 33-37।

कॉलहोत्र, एस.के (2016), स्टडी ऑफ द एटीट्यूड ऑफ डिस्ट्रिक्ट जम्मू कॉलेज स्टूडेंट टुवर्ड्स मॉर्डनाइजेशन इन टर्म्स ऑफ सोशियो रिलीजियस पोजीशन ऑफ वूमेन मैरिज एंड एजुकेशन एरिया. स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिसीप्लिनरी स्टडीज, वॉ-4।

गुप्ता,एस. (2017). स्नातक स्तर पर अध्ययनरत छात्रों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन. इंटरनेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च जर्नल, वॉ-3 (5) 355.357।

गोयल, एस.पी. एवं गुप्ता, एम. (2009). स्टडी ऑफ द इनफ्लुएंस ऑफ मॉर्डनाइजेशन ऑन एग्रेसन लेवल ऑफ एडॉलसेंस. जर्नल ऑफ कम्युनिटी गाइडेंस एंड रिसर्च, वॉ०-6 (1) ।

चौधरी,ए.आर. (2012). स्टडी ऑफ एटीट्यूड ऑफ बीएड ट्रेनीज टुवर्ड्स मॉर्डनाइजेशन. इंटरनेशनल इंडेक्स एंड रेफेरीड जर्नल, 1 (1) 73।

दास, पी. आर. एवं शाह, एन. (2011). एड्जस्टमेन्ट ऑफ एडोलसेन्स ऑफ वर्किंग एण्ड नान वर्किंग मदर्स. द एशियन जर्नल ऑफ साइकोलाजी एण्ड एजूकेशन, 44 (3) 36-41।

देवनाथ, डी. एवं अधिकारी,एस. (2020). एटीट्यूड टुवर्ड्स मॉर्डनाइजेशन ऑफ मेल एंड फीमेल टीचर कंपैरेटिव एनालिसिस, इंडियन जर्नल ऑफ अप्लाइड रिसर्च वा० (2) ।

मिश्रा एल.डी. (2010). अ स्टडी ऑफ आक्यूपेशनल एस्पिरेशन एण्ड एटीट्यूड टूवर्ड्स माडर्नाइजेशन ऑफ फीमेल स्टूडेन्ट्स स्टडींग इन टेक्निकल एण्ड नान टेक्निकल इन्स्टीट्यूशंस।

****